Speed Post

भारत सरकार

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

GOVERNMENT OF INDIA

NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES

File No. Tour/Visit/VC/Indore/7/2017/RU-III

6th floor, B Wing Loknayak Bhawan,
Khan Market, New Delhi-110003
Dated: 12.07.2017

To,

The Commissioner cum Secretary,
SC & ST Welfare Department,
Government of Madhya Pradesh,
Bhopal

Sub: Tour Report of Miss Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, National Commission for Scheduled Tribes (NCST) to visit Madhya Pradesh State on 01.07.2017.

Sir/Madam,

I am directed to enclose herewith a copy of tour report of Miss Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, NCST to visit Madhya Pradesh State on 01.07.2017 for information and necessary action.

Yours faithfully,

(S.P. Meena)
Assistant Director

Copy for information and necessary action to:

1. The Assistant Director, National Commission for Scheduled Tribes, Regional Office Bhopal, Room No.309, Nirman Sadan, CGO Building, 52-A, Area Hills, Bhopal-462011(Madhya Pradesh)

2. NIC, NCST uploaded on the web site.

Tel.:011-24657271, 011-24615012, 011-24624714, Fax: 011-24604689, 011-24624191

प्रवास प्रतिवेदन

TOUR REPORT DATED 01.07.2017

(DISTRICT INDORE)

जिला इंदौर मध्यप्रदेश

सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार

सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोग मुख्यालय के बेतार संख्या TP/VC/NCST/2017/18 दिनांक 29.06.2017 के अनुसार दिनांक 01.07.2017 रवीन्द्र नाट्य गढ़, आर.एन.टी. में कौटिल्य अकादमी की 15वीं वर्षगांठ में भाग लेने के लिए श्रीमती के.डी. बंसौर, निदेशक, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के साथ जिला इन्दौर (मध्यप्रदेश) का दौरा किया। आयोग मुख्यालय द्वारा सूचना मध्यप्रदेश राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिरीक्षक, संबंधित जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक तथा आयोग के मध्यप्रदेश स्थित भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक निदेशक एवं अन्य सर्वसंबंधितों को सूचित किया गया।

प्रवास का विवरण इस प्रकार से है :–

दिनांक 01.07.2017 – शनिवार

रवीन्द्र नाट्य गढ़, आर.एन.टी. इन्दौर में कौटिल्य अकादमी की 15वीं वर्षगांठ में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई

श्री आशेन्द्र मिश्रा, निदेशक, कौटिल्य एकेदमी, इन्दौर ने अवगत कराया कि कौटिल्य एकेडमी गत 15 वर्षों से सिविल सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा की तैयारी में संलग्न मध्यप्रदेश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में कार्यरत है, संस्था ने इन वर्षों में अपने सर्वश्रेष्ठ दायित्व निर्वाहन के अंतर्गत हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का चयन सिविल सेवा में करवाकर "Captain of Industry Award" व "Education Excellence Award" प्राप्त किया है। उन्होंने यह भी बताया कि इन्दौर के समीप के जिले धार, झाबुआ, खरगौन आदि अनुसूचित जनजाति बहुल्य जिले हैं, जहां से काफी संख्या में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी एकेडमी में पढ़ने के लिए आते हैं।

उपरोक्त पर श्री आशेन्द्र मिश्रा, निदेशक, कौटिल्य एकेदमी, इन्दौर को सलाह दी कि अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को सिविल सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा की तैयारी कराने में विशेष ध्यान दिया जाए और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को संस्थान द्वारा ली जाने वाली शुल्क में कुछ छूट का प्रावधान किया जाए। आयोग अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उपरोक्त पर तैयारी करवाने एवं शुल्क में कमी करवाने के लिए जनजातिय कार्य मंत्रालय को अनुदान हेतु सिफारिश करेगा।

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes

राज्य सरकार के अधिकारियों से चर्चा

राज्य सरकार के अधिकारियों ने अवगत कराया कि इन्दौर संभागीय मुख्यालय होकर यहां शैक्षणिक गतिविधियां, शैक्षणिक संस्थाऐं अधिक हैं तथा केरियर गाईडेंस एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षओं की कोचिंग हेतु अच्छे–अच्छे संस्थान उपलब्ध हैं, एक तरह से इन्दौर जिला मुख्यालय शैक्षणिक हब के रूप में पूर्णतया विकसित स्थान हैं।

इन्दौर जिला अनुसूचित जाति बाहुल्य होकर इन्दौर के आस–पास के सभी जिले धार, झाबुआ, खरगौन आदि अनुसूचित जनजाति बाहुल्य हैं।

यहां पर इन्दौर संभाग के अतिरिक्त उज्जैन संभाग तथा अन्य जिले के अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी भी अधिक संख्या में शैक्षणिक/कोचिंग सुविधा हेतु आते हैं। अन्य जिलों से 9वीं कक्षा के बाद से ही आगे शिक्षा हेतु तथा 12वीं के बाद कालेज स्तर के अध्ययन के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु अधिक संख्या में छात्राएं विद्यालय/महाविद्यालयों में प्रवेश ले लेते हैं।

राज्य सरकार के अधिकारियों से जानना चाहा कि अन्य जिलों से इन्दौर में 9वीं या 12वीं के बाद विद्यालय/महाविद्यालय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रावासों का निर्माण किया गया है अथवा नहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए आने वाले छात्रों को आवास की सुविधा प्रदान की जाती है, अगर हां तो उसका आधार क्या है।

इस संबंध में राज्य सरकार के अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान में जिला मुख्यालय पर संचालित स्वीकृत पो.मे./प्री.मे. छात्रावासों का विवरण इस प्रकार है :–

क.	छात्रावास का विवरण	अनुसूचित जनजाति	जनजाति छात्रावासों में से वि. खं.महूं. अंतर्गत संचालित
1.	कन्या आश्रम शाला	02	02
2.	बलक आश्रम शाला	04	03
3.	प्री.मे. जूनियर +सीनियर बालक छात्रावास	03	01
4.	प्री.मे. जूनियर +सीनियर बालक छात्रावास	07	05
5.	पो.मे. महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास	04	–
6.	पो.मे. महाविद्यालयीन बालक छात्रावास	05	–

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

7.	आदिवासी कीडा परिसर	01	—
	योगः—	**26**	**11**

उपरोक्त विवरण अनुसार जिले में अन्य जिलों से आने वाली अनुसूचित जनजाति की छात्राओं में से 78 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक प्राप्त छात्राओं को ही प्रवेश मिल पाता हैं, शेष 50 प्रतिशत से 77 प्रतिशत तक की छात्राओं को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं की जाती है।

उपरोक्त जानकारी पर राज्य सरकार के अधिकारियों को पो.मे./प्री.मे./महाविद्यालीयन कन्या/बालक छात्रावासों की संख्या बढ़ाने की सलाह दी जिससे 50 प्रतिशत से 77 प्रतिशत के मध्य अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को भी छात्रावास की सुविधा उपलब्ध की जा सके। अनुसूचित जनजाति के जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उनको छात्रावृत्ति के माध्यम से सहायता की जाए।

(सुश्री अनुसुईया उईके)
उपाध्यक्ष
सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi